International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 2, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं की बदलती भूमिका का अध्ययन

शोधार्थी
जेबा पटेल
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, इंदौर

निर्देशिका
डॉ0 माधुरी पुराणिक
विभागाध्यक्ष
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, इंदौर

प्रस्तावना :–

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन ''औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं की बदलती भूमिका का अध्ययन'' इंदौर जिले में कई प्रकार की औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिसमें रोजना आस–पास की महिलाऐं इसमें कार्य कर रही हैं और जिनसे इनकी आर्थिक स्थिति में काफी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। साक्षात्कार के दौरान जब इन महिलाओं से बातचीत की गई तो ज्ञात हुआ कि ये महिलाऐं स्वेच्छापूर्वक इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। आज उन्हें इन क्षेत्रों में कार्य करते हुए काफी लम्बा समय हो चुका है। किस समय पर किस प्रकार का कार्य करना हैं, इसकी जानकारी उन्हें अच्छे से पता है। आज औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने से इनके परिवार से लेकर इनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। इन महिलाओं का मानना हैं कि अगर इनके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित नहीं होता तो शायद ये महिलाऐं आज मजदूरी का कार्य करती या फिर घर पर बैठकर अन्य कार्य को संपादित करती, जिसके कारण इनकी आर्थिक स्थिति में कुछ ही स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलता। अगर आज कोई महिलाऐं इन औद्योगिक क्षेत्र में कार्य कर रही हैं तो उन्हें आज कई प्रकार की सुविधाऐं इन क्षेत्रों में मिल रही है। साथ ही इनके बच्चे का भविष्य को संवारने में औद्योगिक क्षेत्र की महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। इंदौर शहर में आज अनेक प्रकार के औद्योगिक क्षेत्रों में अनेक प्रकार की कंपनीयां कार्य कर रही हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य व्यापार करना हैं, जिसमें अनेक प्रकार की महिलाऐं कार्यरत हैं, जो कि सुबह 07:00 से शाम 06:00 बजे तक कार्य करती रहती हैं और उन्हें इस कार्य को करने में काफी आनंद भी आता है। इन्हें समय–समय पर वेतन भी प्राप्त होता हैं, जिसके कारण इन्हें यह कार्य करने में काफी लम्बा समय हो चुका है। आज ये महिलाऐं इस कार्य को करके इनके जीवन को सुखमय बना रही हैं, जिसके कारण आज इनकी अनेक प्रकार से सहायता भी मिल रही हैं और ये महिलाऐं खुशी–खुशी परिवार के साथ जीवन जी रही है। इंदौर जिले में ऐसे कई सारे औद्योगिक क्षेत्र है, जिनमें अधिकतर

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 2, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

महिलाऐं चाहे वो ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती हो या फिर शहरी क्षेत्रों में इन औद्योगिक क्षेत्र में कार्य कर रही है। इन महिलाओं पर उद्योगों के माध्यम से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव दिखाई देता है। इस तरह से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली अधिकतर महिलाओं पर इन उद्योगों का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने के साथ ही इंदौर जैसे महानगरों में भी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, जिससे आज इन उद्योगों के द्वारा देष में ही नहीं बल्कि विदेष में भी इनका नाम चल रहा है। इस तरह से इन उद्योगों के माध्यम से आस पास के क्षेत्रों में भी कई प्रकार के नवीन परिवर्तन दिखाई दे रहे है, जैसे कि आर्थिक स्थिति में बदलाव, प्रति व्यक्ति आय का बढ़ना, आस–पास के क्षेत्रों में निवास करने वाले बालक एवं बालिकाओं का षिक्षा में बदलाव, लोगों में जागरूकता एवं नवीन पद्धति के माध्यम से हर कार्य को करना, सामाजिक परिवर्तन आदि क्षेत्रों में बदलाव दिखाई दे रहा है। अगर ध्यान से देखा जाए तो इंदौर जिले के में अधिकतर क्षेत्रों में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है, लेकिन ये स्थान ऐसे है, जिनमें अधिक से अधिक मात्रा में औद्योगिक क्षेत्र दिखाई देता है, जिनमें अधिक से अधिक मात्रा में महिलाओं के द्वारा कार्य किया जाता है। इन औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने से हर महिलाओं के जीवन में कुछ न कुछ बदलाव अवष्य दिखाई दे रहा है, जिनमें से प्रमुखतः उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार, वित्त की स्थिति में परिवर्तन, समाज में बदलाव, उनकी आवष्यकताओं को आसानी से पूर्ण करना इसके अलावा हर क्षेत्र में कार्य करने अतुरता, बातचीत का नजरीया में बदलाव, स्वयं का रोजगार स्थापित करना, आवष्यकता होने पर दूसरे लोगों को मदद करना, शैक्षणिक स्थिति में बदलाव आदि ऐसे कई सारे प्रमुख मुद्दे है, जिनमें महिलाओं में बदलाव प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता दे रहा है। इस तरह से आज इंदौर शहर में जो महिलाऐं औद्योगिक क्षेत्र में कार्य कर रही है, उनके कई प्रकार के नवीन परिवर्तन दिखाई दे रहे है, जो की परिवर्तन की लहर को साबित कर रही है। इस तरह से वर्तमान समय में इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले अधिकतर महिलाऐं एवं पुरूष निम्न स्तर पर कार्य करते हुए औद्योगिक क्षेत्र में देखे जाते है। वैसे तो अधिकतर महिलाऐं दिन में ज्यादा कार्य करती है, जबकि पुरूष वर्ग के द्वारा तीन पारियों में कार्य करते हुए देखे गये है। इन कंपनियों में इन लोगों को तीन वर्गो में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रथम पारी सुबह 8:00 बजे से प्रारंभ होती है, वहीं दुसरी पारी शाम 4:00 बजे एवं तीसरी पारी रात को 12: बजे

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 2, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

चलती है। इस तरह से ग्रामीण व्यक्ति अपनी सुविधाओं को ध्यान में रखकर इनमें से किसी भी पारी में चलकर कार्य करते रहते है, वे कभी सुबह की पारी में कार्य करते है तो कभी शाम की पारी में तो कभी रात की पारी में कार्य करते रहते है। इस तरह से आज वर्तमान समय में इंदौर जिले में औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों के द्वारा उनके सुविधाओं के अनुसार कार्य करते रहते है। आज इंदौर शहर के आस पास औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण आस–पास के वातावरण में भी कई प्रकार के नवीन बदलाव देखे गये हैं, जिनमें से मुख्यतः सामाजिक परिवर्तन, शैक्षणिक परिवर्तन एवं आर्थिक परिवर्तन, नवीन संसाधनों का घर में उपयोग करना, बच्चों को नवीन संसाधन उपलब्ध कराना, हर क्षेत्र में बच्चों को प्रोत्साहन देना, कभी–कभी पति की आर्थिक स्थिति में मदद करना आदि परिवर्तन मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं के जीवन शैली में मुख्यतः रूप से देखा गया है। इस तरह से वर्तमान समय में औद्योगिक क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं की जीवन शैली में बदलाव दिखाई दे रहा है। आज इन महिलाओं के द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने से कई बदलाव सामाजिक क्षेत्र से लेकर आर्थिक क्षेत्र शैक्षणिक क्षेत्र सभी में दिखाई दे रहा है। इंदौर जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति काफी निम्न स्थिति की पाई गई हैं, इस क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाऐं मुश्किल से 5वी पास, 8वी पास, 10वी पास या फिर 12वी पास महिलाऐं देखी गई है। इसके अलावा जो महिलाऐं अच्छी पढ़ी लिखी है, वे महिलाऐं इन क्षेत्रों में अच्छे पदों पर कार्य कर रही है। इंदौर जिले के विभिन्न स्थानों पर औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण इन उद्योगिक क्षेत्रों में आस–पास के लोग इसमें कार्य करते रहते हैं, चूंकि यह अध्ययन कार्य महिलाओं पर आधारित हैं, जिसमें मुख्य रूप से महिलाओं से इस संबंध में साक्षात्कार के माध्यम से कई बातों को उजागर करने का प्रयास किया गया हैं औद्योगिक के द्वारा महिलाओं के परिवार पर होने वाले परिवर्तन का अध्ययन के संबंधित महिलाओं के साक्षात्कार किया गया। जब उनसे पूछा कि आपके क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण आपके परिवार में किस प्रकार का परिवर्तन देखने को मिला हैं, जिसमें उनके द्वारा अनेक प्रकार के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष परिवर्तन को बताया है।

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 2, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

तालिका क्रं. 00.01

क्या औद्योगिक के कारण इंदौर शहर में कुछ परिवर्तन हुआ हैं ?

स.क्र.	विवरण	प्रतिशत
1	हाँ	65
2	नहीं	35
	कुल योग	100

स्त्रोत :– प्राथमिक समंक के अनुसार प्राप्त तथ्यों के आधार पर मार्च 2023

उपरोक्त तालिका क्रं. 00.01 से स्पष्ट होता है कि इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में बहुत कुछ परिवर्तन हुआ है ऐसा मानने वाले 65 प्रतिषत उत्तरदाता महिलाऐं है, जबकि 35 प्रतिषत उत्तरदाताओं महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

इस तथ्य से ज्ञात होता हैं कि इन इंदौर शहर में उद्योगो के कारण कई प्रकार के बदलाव आये है, जैसे की लोगों को रोजगार मिलना, आर्थिक स्थिति में सुधार, हर क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर प्राप्त होना, व्यापार के क्षेत्र में कई बड़े–बड़े सुधार कार्य होना, एक कंपनी का दुसरी कंपनी के साथ मेल जोल बढ़ना आदि कार्य औद्योगीकरण के कारण हुआ है। यही प्रभाव इंदौर शहर में हुआ है।

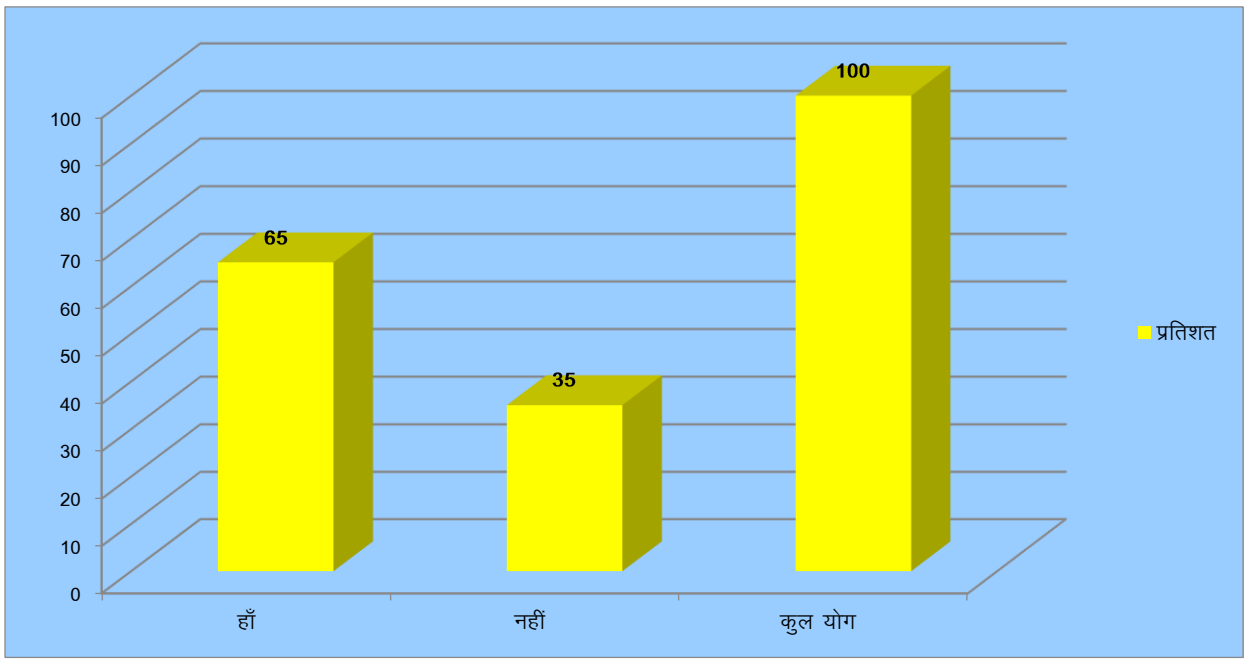

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 2, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

तालिका क्रं. 00.02

क्या आपको लगता हैं कि उद्योगो के कारण शिक्षा क्षेत्र में बदलाव हुआ हैं ?

स.क्र.	विवरण	प्रतिशत
1	हाँ	55
2	नहीं	45
	कुल योग	100

स्त्रोत :– प्राथमिक समंक के आधार पर प्राप्त तथ्यों के आधार पर मार्च 2022

उपरोक्त तालिका क्रं. 00.02 से स्पष्ट होता है इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में षिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन हुआ है ऐसा मानने वाले 55 प्रतिषत उत्तरदाता महिलाऐं है, जबकि 45 प्रतिषत उत्तरदाताओं महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर की षिक्षा प्रणाली में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

अतः उक्त तथ्यों से ज्ञात होता हैं कि इंदौर जिले में अधिकत मात्रा में औद्योगीकरण होने से कई सारे लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है, रोजगार के कारण लोगों की आर्थिक स्थिति में बदलाव भी हुआ है, आर्थिक स्थिति में बदलाव के कारण लोगों की षिक्षा में भी परिवर्तन हुआ है। इस प्रकार से कहा जा सकता है कि औद्योगोकीकरण के कारण इदौर शहर की षिक्षा प्रणाली में बदलाव हुआ है।

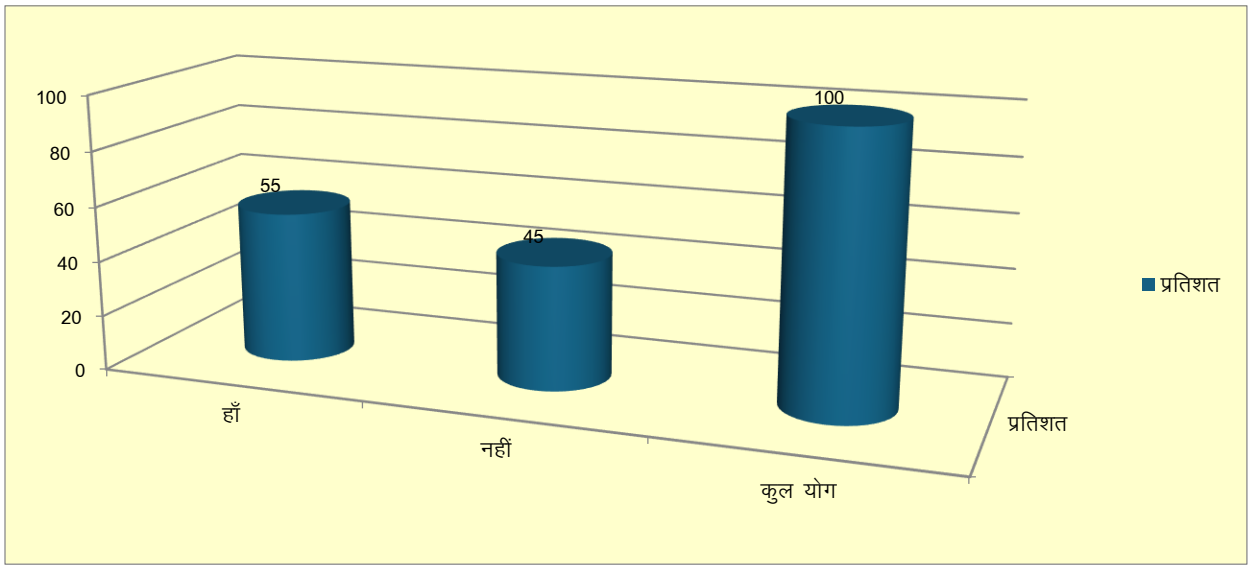

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 2, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

तालिका क्रं. 00.03

इंदौर शहर में औद्योगिककरण के कारण बहुत कुछ परिवर्तन हो रहा हैं ?

स.क्र.	विवरण	प्रतिशत
1	हाँ	70
2	नहीं	30
	कुल योग	30

स्त्रोत :– प्राथमिक समंक के आधार पर प्राप्त तथ्यों के आधार पर मार्च 2022

उपरोक्त तालिका क्रं. 00.03 से स्पष्ट होता है इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में बहुत कुछ परिवर्तन हुआ है ऐसा मानने वाले 70 प्रतिषत उत्तरदाता महिलाऐं है, जबकि 30 प्रतिषत उत्तरदाताओं महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

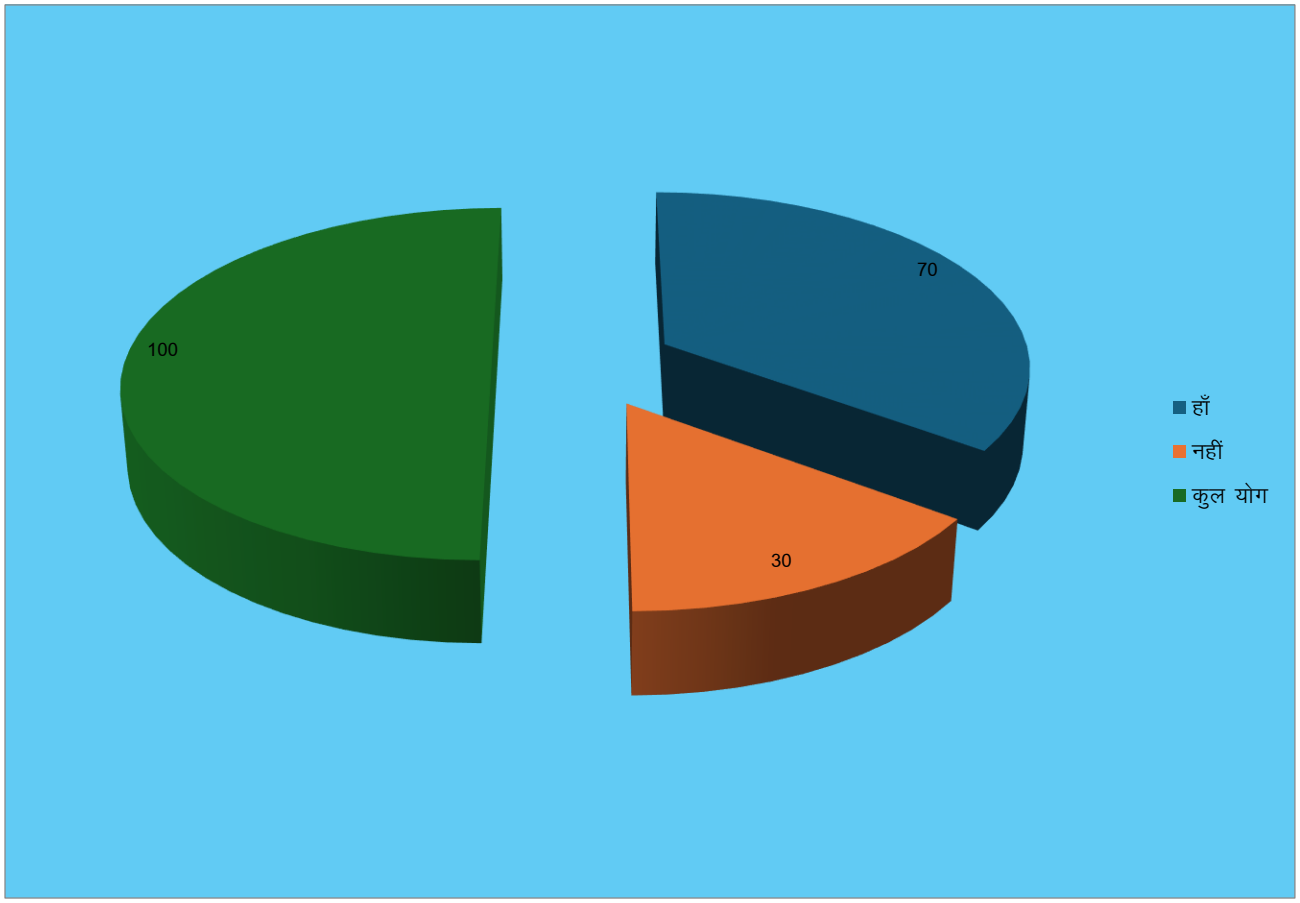

International Journal of Interdisciplinary Cultural Studies
ISSN: 2327-008X (Print), ISSN: 2327-2554 (Online)
Volume 20, Issue 2, 2025
https://cgscopus.com/index.php/journals

अतः उक्त तथ्यों से ज्ञात होता हैं कि इंदौर शहर में औद्योगीकरण के कारण बहुत कुछ बदलाव हुआ है, जिसने इंदौर शहर में निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी प्रकार से बदलाव अवष्य ही दिखाई देता है। उन महिलाओं को औद्योगिक क्षेत्रों से मिलने वाले वेतन से कोई परिवर्तन नहीं होता है। इस तरह से औद्योगिक क्षेत्रों में कार्य करने वाली अधिकतर महिलाओं की आर्थिक स्थिति में किसी न किसी प्रकार से बदलाव हुआ है जो कि उनकी आर्थिक स्थिति को बतलाता है।

निष्कर्ष :–

इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में बहुत कुछ परिवर्तन हुआ है ऐसा मानने वाले 65 प्रतिषत उत्तरदाता महिलाऐं है, जबकि 35 प्रतिषत उत्तरदाताओं महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में षिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन हुआ है ऐसा मानने वाले 55 प्रतिषत उत्तरदाता महिलाऐं है, जबकि 45 प्रतिषत उत्तरदाताओं महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर की षिक्षा प्रणाली में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

इंदौर शहर में निवास करने वाली अधिकतर महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में बहुत कुछ परिवर्तन हुआ है ऐसा मानने वाले 70 प्रतिषत उत्तरदाता महिलाऐं है, जबकि 30 प्रतिषत उत्तरदाताओं महिलाओं का मानना हैं कि औद्योगिकीकरण के द्वारा इंदौर शहर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

सुझाव :–

1. जिन उद्योगों में महिलाऐं कार्य कर रही हैं, उनके लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए।
2. महिलाओं को ज्यादा कार्य न देते हुए, उनकी रूचि के अनुसार कार्य दिया जाना चाहिए, ताकि वे कार्य मन लगाकर कर सके।
3. महिलाओं को समय–समय पर बोनस और इनकी सैलरी में बढ़ोत्तर होनी चाहिए, ताकि उनका मनोबल दिन प्रतिदिन बढ़ता जाए।

4. महिलओं को कार्य स्थल पर विशेष सुविधाऐं उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि महिलाऐं अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सके।
5. महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए उन्हें समय–समय पर कार्य में परिवर्तन होते रहना चाहिए।
6. महिलाओं को उद्योगों के बारे में जानकारी सही समय पर देना चाहिए।
7. अगर उनसे किसी भी प्रकार की गलती होती हैं तो उन्हें इस कार्य को किस प्रकार से करना चाहिए, इसके लिए उचित सलाह देना चाहिए।
8. क्षेत्र में अधिक से अधिक मात्रा में उद्योगों की स्थापना होनी चाहिए।
9. महिलाओं को नवीन उद्योगों की स्थापना किस प्रकार से करनी चाहिए, इसके लिए उनके सही मार्गदर्शन देना चाहिए।
10. महिलाओं को सुपरवाईजर के द्वारा समय–समय पर बोनस देना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. गुप्त रघुराज (1992) औद्योगिक समाजशास्त्र, विकास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
2. दीक्षित ध्रुव कुमार (2002) बाल श्रम उन्मूलन एक चुनौती पॉइटर पब्लिशर्स, जयपुर।
3. गोयल सुनील एवं गोयल संगीता (2003) अभारत में सामाजिक परिवर्तन आर.बी.एस. ए. पब्लिशर्स जयपुर राजस्थान।
4. मिश्रा, एस.के. एवं पुरी, बी.के. (1993) भारतीय अर्थ व्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस ''रामदूत'' डॉ. भलेराव मार्ग, गिरगाँव, मुम्बई,।
5. श्रीवास्तव डॉ. राजमणिलाल (1969) मजदूरी तथा सामाजिक सुरक्षा, प्रसाद प्रकाशन मंदिर कानपुर।